ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

SWAMAAN

मैं कर्मभोग को कर्मयोग में परिवर्तन कर सेवा के निमित्त बनने वाली भाग्यवान आत्मा हूँ

किसी ने परमात्मा से पूछा माया क्या है ? परमात्मा ने कहा - - जहां मैं नहीं , मेरी याद नहीं , मेरी बात नहीं वही माया है ।

ओम शांति

सदा ईश्वरीय प्राप्तियों से
भरपूर रहना
कोई एक भी प्राप्ति से
वंचित नहीं रहो,
सर्व प्राप्ति हों
समय की रफ्तार प्रमाण
कोई भी समय कुछ भी हो सकता है
इसलिए तीव्र पुरुषार्थी बन
अभी से भरपूर बनो
अब नहीं तो कभी नहीं

परमपिता शिव परमात्मा

Om Shanti

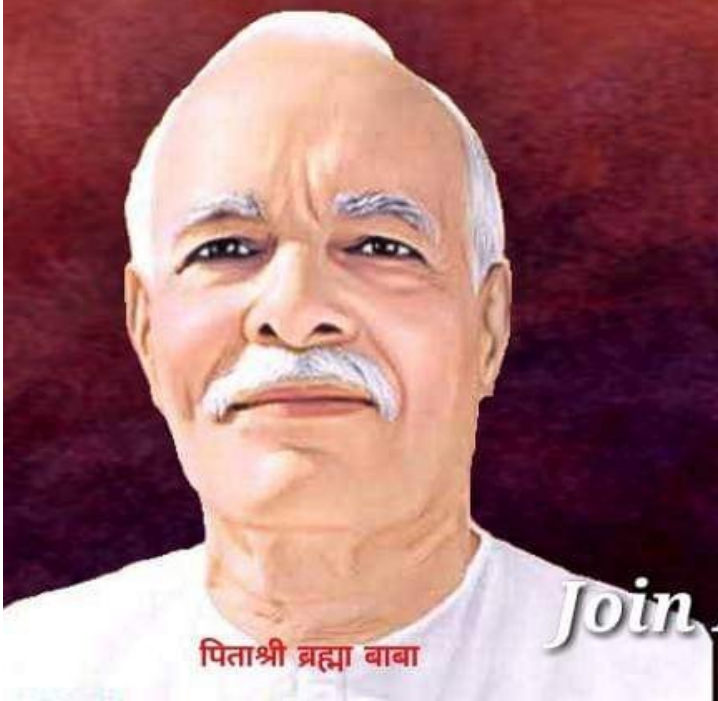

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

शिवशक्ति सरस्वती माँ

मम्मा जब मुरली चलाती थीं तो सब ऐसे तन्मय होकर सुनते थे कि मूर्तिवत् हो जाते थे। मुरली डेढ़ घण्टा चलती थी तो एकाग्रता से बैठ सुनते थे। मम्मा की मुरली इतनी प्यारी होती थी कि बात मत पूछो। पूरे यज्ञ में देखा जाय तो मम्मा बहुत कम बात करती थीं।

जो सदा अचल अडोल बन करके श्रेष्ठ पार्ट बजाने वाले हैं, उनको कहा जाता है विशेष पार्टधारी। विशेष पार्टधारी का विशेष गुण है - स्व सेवा और विश्व सेवा, दोनों का बैलेन्स।

Avyakt Murli - 01-02-1980

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/AvyaktMurliEssence

"स्वमान और सम्मान - दोनों का आपस में सम्बन्ध है"

स्वमान और सम्मान - दोनों का आपस में सम्बन्ध है। स्वमानधारी अपने प्राप्त हुए स्वमान में रहते हुए स्वमान के सम्मान में भी रहता और दूसरों को भी सम्मान से देखता, बोलता वा सम्पर्क में आता है। स्वसम्मान का अर्थ ही है स्व को सम्मान देना। जैसे बाप विश्व की सर्व आत्माओं द्वारा सम्मान प्राप्त करने वाले हैं, हर एक सम्मान देते। लेकिन जितना ही बाप को सम्मान मिलता है उतना ही सब बच्चों को सम्मान देते हैं। जो देता नहीं है तो देवता बनता नहीं। अनेक जन्म देवता बनते हो और अनेक जन्म देवता रूप का ही पूजन होता है। एक जन्म ब्राह्मण बनते हो लेकिन अनेक जन्म देवता रूप में राज्य करते वा पूज्य बनते हो। देवता अर्थात् देने वाला। अगर इस जन्म में सम्मान नहीं दिया तो देवता कैसे बनेंगे, अनेक जन्मों में सम्मान कैसे प्राप्त करेंगे? फालो फादर? साकार स्वरूप ब्रह्मा बाप को देखा - सदा स्वयं को वर्ल्ड सर्वेन्ट (विश्व-सेवाधारी) कहलाया, बच्चों का सर्वेन्ट कहलाया और बच्चों को मालिक बनाया। सदा मालेकम् सलाम किया। सदा छोटे बच्चों को भी सम्मान का स्नेह दिया, होवनहार विश्व-कल्याणकारी रूप से देखा।

अव्यक्त बापदादा – 01 / 12 / 89

/AvyaktMurliEssence

- B K S H I V A N I

उम्र में छोटों से और बड़ों से,
रिश्ते में छोटों से और बड़ों से,
औधे में छोटों से और बड़ों से,
जिनके लिए हम काम करते हैं,
हमारे लिए जो काम करते हैं...
क्या हम सब से उतने ही
सम्मान और प्यार से बात करते हैं ?

समानता नम्रता है
भिन्नता अहंकार है।

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org